केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 185 बुधवार 29 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

अयोध्या– बस्ती हाईवे पर डायवर्जन जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। अयोध्याधाम में मौनी अमास्वया से पहले उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए बस्ती–अयोध्या फोरलेन पर मंगलवार को भी रूट डायवर्जन प्रभावी रहा। अयोध्या में भीड़ का दबाव बढ़ने पर सभी वाहनों को डायवर्ट करना पड़ा। छावनी कस्बे से वाहनों को रामजानकी मार्ग पर डायवर्ट किया गया। साथ ही घघौवा में भी बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों को डायवर्ट किया गया। सीओ हरैया संजय सिंह ने बताया कि अयोध्या में काफी भीड़ के कारण डायवर्जन प्रभावी किया गया है। रोडवेज बसों व तीर्थ यात्रियों के वाहनों को नहीं रोका जा रहा है। उच्चाधिकारियों से अग्रिम आदेश मिलने तक डायवर्जन प्रभावी रहेगा।

हत्या में बर्खास्त सिपाही को आजीवन कारावास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। विशेष न्यायाधीश एससी एसटी कमलेश कुमार की अदालत ने गुरु–चेला बनने के विवाद को लेकर मेंहदावल थाने के 22 साल पुराने मामले में एफआईआरकर्ता बर्खास्त सिपाही को ही अपराधी मानते हुए आजीवन कारावास व 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। विशेष शासकीय अधिवक्ता हयात मोहम्मद ने कोर्ट में बताया कि घटना संतकबीरनगर जिले के मेंहदावल थानाक्षेत्र के सुनिहवा गांव रविदास मंदिर की है। मंदिर के बुजुर्ग पुजारी संत तुलसीदास इसी गांव के रहने वाले थे। वह रविदास मंदिर बनवाकर और साधु बनकर पूजा–अर्चना करने लगे। 27व28 फरवरी 2003 को उनकी कुटी पर ही चाकू से गोदकर उनकी हत्या कर दी गई। इसी गांव के उदयराज ने केस दर्ज कराया था। वादी का कहना था कि कुबेरनाथ मंदिर मेंहदावल के पुजारी नागा बाबा से तुलसीदास की दुश्मनी थी और उन्होंने ही तुलसीदास की हत्या की है। पुलिस ने जब विवेचना शुरू किया तो पूरी कहानी ही बदल गई। संत तुलसीदास के पास कुछ जमीन थी। जिसे बेचकर वह रविदास मंदिर में ही लगाना चाहते थे। उदयराज जो उनका पट्टीदार था, मुफ्त में तुलसीदास की जमीन लेना चाहता था। चेला भी बनना चाहता था। यहां तक कि उन्हें धमका करके मंदिर से भी कुछ रुपये ले लिया करता था। जमीन की लालच में अपने साथी रामकृपाल के साथ मिलकर संत तुलसीदास की हत्या कर दी। मुकदमे को उलझाने के लिए नागा बाबा को आरोपित करते हुए खुद ही वादी मुकदमा बनकर मुकदमा लिखा दिया था। विवेचना से उसकी संलिप्तता जाहिर हो गई और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर आरोप–पत्र कोर्ट में दाखिल किया था। मुकदमे के दौरान रामकृपाल की मृत्यु हो गई। दोनों पक्ष की बहस सुनने के बाद अदालत ने संत की हत्या के लिए उदयराज को दोषी मानते हुए सजा सुनाई है।

ठंड से मिली कुछ राहत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। सुबह के वक्त घना कोहरा छाया रहा। धीरे–धीरे कोहरा छटने के बाद से हल्की धूप निकली। मंगलवार को ठंड से लोगों को थोड़ी राहत मिली। सुबह कोहरे के चलते स्कूली बच्चों व बाहर निकलने वाले लोग खुद को ऊनी कपड़ों से ढककर निकले। कोहरे का सिलसिला कई दिनों से जारी रहा, लेकिन सोमवार को दोपहर तक हुई चटक धूप से बाजार में लोगों की भीड़ बढ़ गई थी। गांधीनगर बाजार से कंपनीबाग तक जाम की स्थिति थी। बाजारों और सड़कों पर जगह–जगह जाम लगा रहा। मंगलवार की सुबह घने कोहरे के चलते लोगों को अलाव का सहारा लेना पड़ा।

मौनी अमावस्या से पहले कुंभ में उमड़ी आस्था, करोडो ने लगायी श्रद्धा की डुबकी

प्रयागराज (आमा)। महाकुम्भ में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या दिन–प्रतिदिन नए कीर्तिमान बनाती जा रही है। मुख्य स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर संगम में पुण्य की डुबकी लगाने का उत्साह चरम पर दिखा। एक दिन पहले मंगलवार को शाम चार बजे तक ही स्नान करने वालों की संख्या ने मकर संक्रांति के पहले शाही स्नान के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर 3.5 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पवित्र संगम में स्नान किया था, जबकि मंगलवार शाम चार बजे तक 3.90 करोड़ आस्थावान पुण्य की डुबकी लगा चुके थे। इनमें दस लाख से अधिक कल्पवासी भी शामिल हैं। इस तरह महाकुम्भ में अब तक 16 दिन में 18.66 करोड़ आस्थावान पुण्य की डुबकी लगा चुके हैं।करीब डेढ़ महीने तक चलने वाले दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ मेले में कुल 40 करोड़ लोगों के जुटने की संभावना के बीच निर्बाध दूरसंचार नेटवर्क मुहैया कराने के लिए दूरसंचार कंपनियों और मेला प्रशासन ने अपने स्तर पर पूरी तैयारी की है। कुछ किलोमीटर के दायरे में एक ही दिन करोड़ों लोगों की मौजूदगी की संभावना को देखते हुए उन्हें मोबाइल फोन नेटवर्क और इंटरनेट सुविधा मुहैया कराना एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आया है।

दूकान में घुसकर मारा पीटा एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला पिकौरा बक्स निवासी दिनेश कुमार गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली के साथ ही अन्य सम्बंधित अधिकारियों को रजिस्टर्ड पत्र देकर उनकी दूकान में तोड़फोड़, जान लेवा हमले के मामले में दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई कराने की मांग किया है।
उच्चाधिकारियों को भेजे पत्र में दिनेश कुमार ने कहा है कि गांधीनगर स्थित त्रिपाठी गली में उनकी गौरी चूड़ी केन्द्र नाम की दूकान है। गत 23 जनवरी को दिन में लगभग 11 बजे पिकौरा बक्स निवासी राजकुमार गुप्ता, कृष्ण कुमार गुप्ता, ऋषि गुप्ता, अमित उर्फ सोनू गुप्ता, शिवम गुप्ता आदि ने पारिवारिक रंजिश के चलते दूकान में घुसकर उन्हें मारा पीटा। दूकान के सामान में तोड़फोड़ के साथ ही कई सामान जबरिया उठा ले गये। भाई विजय कुमार, स्थानीय नागरिकों और गांधीनगर चौकी पुलिस की मदद से उनकी जान बची। दिनेश कुमार को आशंका है कि राजकुमार गुप्ता आदि रंजिश किसी भी घटना को अंजाम दे सकते हैं। उसने अपने दूकान और परिवार के सुरक्षा की गुहार लगाते हुये दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर न्याय दिलाने का आग्रह किया है।

कवि सम्मेलन–पहले बाप से डर लगता था, अब बेटों से डर लगता है

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में शब्दांगन साहित्यिक संस्था की ओर से प्रेस क्लब सभागार में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन मुशायरे का आयोजन में वरिष्ठ कवि डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग' की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि महेश प्रताप श्रीवास्तव और डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता आन्दोलन में साहित्यकारों की बड़ी भूमिका थी और उनके साहित्य, कविताओं ने वैचारिक ज्वाला पैदा किया उससे अंग्रेजी हुकूमत की चूलें हिल गयी। संचालन विनोद कुमार उपाध्याय ने किया।

सरस्वती वंदना से आरम्भ कवि सम्मेलन में डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग' की पंक्तियां सूखा अब सरवर लगता है, मानव भी विषधर लगता है, पहले बाप से डर लगता था, अब बेटों से डर लगता है' सुनाकर आज के वर्तमान परिदृश्य पर करारा व्यंग्य किया। डा. वी.के वर्मा ने कुछ यूं कहा' पहले तो थे हम परतंत्र, लेकिन अब हो गये स्वतंत्र, श्रम की पूजा करो निरन्तर, श्रम ही है जीवन का मंत्र, सुनाकर वाहवाही लूटी। महेश श्रीवास्तव की रचना आसान हैं पर इतने भी आसान नहीं हैं' सुनाया। विनोद कुमार उपाध्याय की पंक्ति ' कर कर के याद कितने ही आंचल भिगोये थे, जाने वो बात क्या थी कि जी भर के रोये थे सुनाकर प्रेम के भाव को स्वर दिया। कवियत्री नेहा मिश्रा और डा. अंजना ने प्रेम और वियोग पर केन्द्रित रचना सुनायी। की बीर रस के कवि अजय श्रीवास्तव ने कुछ यूं कहा ' क्षत्राणी जलकर राख हुआ करती हैं भरी जवानी में' चिता धधकती है अब भी जौहर की अमर कहानी में' सुनाकर कवि सम्मेलन में मुख्य रूप से सलीम वस्त्वी 'अजीजी', दीपक सिंह प्रेमी, जगदम्बा प्रसाद भावुक, डा. अजीत श्रीवास्तव 'राज' अर्चना श्रीवास्तव, हरिकेश प्रजापति, आदित्यराज, श्याम प्रकाश शर्मा, डा. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, अफजल हुसेन, अनवार पारसा, बदुक नाथ शुक्ल आदि ने अपनी कविताओं से राष्ट्र प्रेम का संदेश दिया।

आठवीं पुण्य तिथि पर याद किये गये वरिष्ठ अधिवक्ता शक्तिदेव पाठक: जरूरतमंदों में कम्बल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता शक्तिदेव पाठक को उनके आठवीं पुण्य तिथि पर याद किया गया। प्रेस क्लब सभागार में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जनपदीय प्रचार मंत्री एवं शक्तिदेव पाठक के पुत्र अनिल कुमार पाठक, अधिवक्ता सुनील कुमार पाठक द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में अनेक लोगों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुये उन्हें नमन् किया।
भाजपा के वरिष्ठ नेता जगदीश शुक्ल, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा, कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव, वरिष्ठ अधिवक्ता ओम प्रकाश पाण्डेय आदि ने शक्तिदेव पाठक की स्मृतियों को साझा करने के साथ ही जरूरतमंदों में कम्बल का वितरण किया।
कार्यक्रम में अमित उपाध्याय, देवमणि पाठक, लाल भुवनेश्वर प्रताप सिंह, अरविन्द पाठक, राघवेन्द्र मिश्र, रघुवंशमणि त्रिपाठी, अंगद पाण्डेय, विनोद पाठक, कमलेन्द्र मिश्र, अविनाश दूबे, सुरेश गौड़, रवीश मिश्र, विवेककान्त पाण्डेय आदि ने कहा कि शक्तिदेव पाठक दृढ इच्छा शक्ति के धनी थे। उन्होने अधिवक्ता के रूप में अनेक लोगों को न्याय दिलाने में योगदान दिया।
श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से राजेश गिरी, सन्तोष मिश्र, चन्द्रभूषण द्विवेदी, अवनीश चौरसिया, शिव प्रकाश सिंह, राकेश मिश्र, सुधीर तिवारी, हरेन्द्र यादव, सनद पटेल, आशुतोष यादव, पंकज पाण्डेय, शिवरतन, मनोज पाण्डेय, आशीष श्रीवास्तव, मनोज चौधरी, वाहिद अली सिद्दीकी, गिरजेश सिंह, आशीष दूबे, मो. मुस्तकीम खान, आशीष दूबे, डा. गिरजेश चौधरी, सुशील पाण्डेय, मनोज उपाध्याय, रजनीश यादव, उमाशंकर पाण्डेय, वृजेश त्रिपाठी, हरिकेश प्रजापति, मंगला मौर्य, मक्खन लाल, मो. असलम, विनय पाण्डेय, सतीश चन्द्र यादव, मंशाराम, विनोद चौधरी, धर्मराज, आलोक वर्मा, शेषनाथ यादव, गौरव चौधरी आदि शामिल रहे।

सेन्ट्रल एकेडमी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस का पर्व

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । सेन्ट्रल एकेडमी में गणतंत्र दिवस का पर्व उत्साह और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। निदेशक जय प्रकाश तिवारी ने ध्वज फहराने के बाद छात्रों को सम्बोधित करते हुये कहा कि लम्बे संघर्ष, बलिदान के बाद देश आजाद हुआ और 26 जनवरी 1950 को देश ने लिखित संविधान अंगीकार किया। 76 वां गणतंत्र देश के लिये महत्वपूर्ण है। देश कई मोर्चों पर प्रगति की ओर है। अमर सेनानियों के संकल्पों को पूरा करना हम सबका दायित्व है।

प्रधानाचार्य दीपिका तिवारी, सह निदेशक अनुज तिवारी ने छात्रों को गणतंत्र के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। कहा कि भारतीय गणतंत्र की विकास यात्रा चुनौतियों के बीच निरन्तर जारी है। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं वैष्णवी, शिप्रा, नम्रा, मानसी, चांदनी, रौनक, शिवाकान्त, सृष्टि, आदि श्री, खुशी, सचिन, हर्षित दूबे, फरहान, सर्वेश, शाश्वत, श्रेया, तनवी पाल, अलका, आराध्याय, कार्तिक दूबे आदि ने देश भक्ति पर केन्द्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोह लिया। मुख्य रूप से आबिद अरशद, द्विजेन्द्र, उन्नति, ऋचा, सुधा, साक्षी, दया, निखिल, हिमांशु, सुनीता, अरीबा आदि ने छात्रों को गणतंत्र दिवस के महत्व की जानकारी दिया।

पात्रों को योजनाओं का लाभ दिलाना हमारा संकल्प– यशकान्त सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। मंगलवार को क्षेत्र पंचायत की बैठक रामनगर के सभागार में ब्लाक प्रमुख संघ प्रदेश उपाध्यक्ष यशकान्त सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष की कार्य योजना पर अनुमोदन के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण फेज–3 पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में यशकान्त सिंह ने कहा कि सर्वेक्षण में सहयोग कर पात्र लाभार्थियों को इस योजना का लाभ दिलायें। हमारा लक्ष्य है कि इस सर्वेक्षण के बाद शत–प्रतिशत पात्र लाभार्थियो को आवास दिलाकर संतृप्त किया जा सके। कहा कि रामनगर को विकास की श्रेणी में अग्रेतर खडा करना हमारा लक्ष्य है। खण्ड विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह, संदीप यादव हरीश सिंह एमएलसी प्रतिनिधि के साथ ही विभिन्न विभागों के कर्मचारी व अधिकारी, ग्राम पंचायतों के अध्यक्ष, क्षेत्र पंचायत सदस्यगण उपस्थित रहें।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 29 जनवरी 2025 बुधवार

सम्पादकीय

मनरेगा पर उठते सवाल

इसमें दो राय नहीं कि ग्रामीण क्षेत्रों में दृश्य व अदृश्य बेरोजगारी में कमी लाने में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस योजना ने जहां एक ओर ग्रामीण उपभोक्ताओं को अपने गांव के पास रोजगार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है, वहीं अंतर्राज्यीय प्रवास को कम किया है। साथ ही ग्रामीण उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति भी बढ़ी है। काम की तलाश में शहरों को जाने वाले श्रमिकों की संख्या में कमी के भी आंकड़े सामने आए हैं। खासकर कोरोना संकट में जब ग्रामीण महानगरों से पलायन करके बड़ी संख्या में गांव की तरफ लौटे तो इस योजना ने जीवनदायिनी भूमिका निभाई है। लेकिन फिलहाल ग्रामीण आजीविका के लिये जीवन रेखा कही जाने वाली महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एक बार फिर धन की कमी से जूझ रही है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस शासन में शुरू की गई मनरेगा योजना राजग सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल नहीं है। वार्षिक वित्तीय संकट से जूझ रही मनरेगा योजना के लिए केंद्र सरकार ने वर्ष 2024—25 में 86,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इसके बावजूद 4,315 करोड़ मूल्य का वेतन भुगतान लंबित है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023—24 में इस योजना के केवल छह माह में ही 6,146 करोड़ का घाटा हुआ था। इसी तरह वर्ष 2022—23 में 89,400 करोड़ का संशोधित धनराशि का आवंटन मूल बजट से 33 प्रतिशत अधिक था। निस्संदेह, ग्रामीण श्रमिकों के लिये लायी गई मनरेगा योजना की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिये वार्षिक राशि आवंटन को लेकर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। जो केंद्र सरकार की वित्तपोषण की प्राथमिकताओं को लेकर कई प्रासंगिक प्रश्न उठाती है। इस योजना के क्रियान्वयन में वित्तीय तंगी तंत्र की विसंगितयों को ही दर्शाती है। वहीं कांग्रेस ने मनरेगा के अंतर्गत मजदूरी को बढ़ाकर 400 रुपये प्रतिदिन करने की मांग की है। निस्संदेह, यह मांग महंगाई के बीच एक स्थायी समाधान के बजाय एक राजनीतिक दृष्टिकोण को ही दर्शाती है।

निस्संदेह, कांग्रेस की यह मांग राजनीतिक लाभ के लिये एक लोकप्रिय कदम तो हो सकता है, मगर यह योजना की मूल समस्या के कारकों को संबोधित करने में विफल रहती है। मौजूदा वक्त में प्राथमिकता समय पर पर्याप्त धन आवंटन करने तथा प्रणालीगत विसंगतियों को दूर करना होनी चाहिए। दरअसल, भुगतान के लिये अपनायी गई प्रणाली से श्रमिकों को भुगतान में परेशानी आती रही है। आधार कार्ड आधारित भुगतान की ब्रिज प्रणाली और राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी प्रणाली जैसे तकनीकी कारकों ने भुगतान की उलझनों को बढ़ाया है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की कनेक्टिविटी की बाधाओं और आधार सत्यापन की आवश्यकताओं के कारण बड़े पैमाने पर जॉब कार्ड हटाए गए हैं। यही वजह है कि अनेक कारणों के चलते वर्ष 2022 में करीब नौ करोड़ श्रमिकों ने इस योजना तक अपनी पहुंच खो दी है। हालांकि, इस प्रणाली को पारदर्शिता बढ़ाने के उपायों के रूप में प्रचारित किया गया। लेकिन ये कदम लाखों श्रमिकों के लिये आजीविका के मार्ग में बाधा बन गए। उल्लेखनीय है कि मनरेगा को ग्रामीण परिवारों के लिये आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये एक मांग संचालित योजना के रूप में तैयार किया गया था। निस्संदेह, मनरेगा ने ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी के संकट को ही उजागर किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती काम की मांग और शहरी क्षेत्रों में नौकरियों की कमी के संकेत लगातार मिलते रहे हैं। निस्संदेह, गांवों में गरीबी उन्मूलन में मनरेगा के योगदान को कम करके नहीं आंका जा सकता। आसन्न बजट में इस योजना से जुड़ी विसंगतियों को दूर करने के लिये गंभीर प्रयास की जरूरत है। सरकार को मनरेगा के लिये एक व्यावहारिक बजट बनाना चाहिए। साथ ही योजना के पारदर्शी क्रियान्वयन के लिये प्रशासनिक बाधाओं को दूर करने को प्राथमिकता देनी चाहिए। निर्विवाद रूप से मनरेगा में मांग के अनुपात में धन का आवंटन लगातार कम हो रहा है। यही वजह है कि फंड की कमी के चलते वर्ष के मध्य में अनुमानित संकट पैदा हो रहा है। जो नीति नियंताओं के इसके क्रियान्वयन के संरचनात्मक अंतर को दर्शाता है। निस्संदेह, इस नीतिगत विसंगति को दूर किया जाना चाहिए।

गांवों की खुशहाली के ढूढने होंगे मापदण्ड

—उमेश चतुर्वेदी—

दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाले अपने देश की पहचान उसके गांव रहे हैं। देश सिर्फ ग्रामीण संस्कृति और कृषि व्यवस्था के लिए ही नहीं, सहकार और शिल्पकारी के लिए भी वैश्विक पहचान रखते रहे हैं। सोने की चिड़िया कहे जाने वाले दौर में भी भारतीय कृषि और आर्थिकी के आधार गांव ही रहे। यह बात और है कि अंग्रेजी शासन के दौरान से भारतीय गांवों का पतन शुरू हुआ। इसके बाद भारतीय गांव गरीबी और मजबूरी के पर्याय माने जाने लगे। लेकिन घरेलू उपयोग और खर्च के ताजा सर्वेक्षण की रिपोर्ट बता रही है कि गांवों की आर्थिक तस्वीर बदलने लगी है।

भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से घरेलू उपयोग और खर्च के लिए कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार शहरी और ग्रामीण इलाकों में घरेलू खर्च का जो पहले अंतर रहता था, वह लगातार घटता चला गया है। अगस्त 2023 से जुलाई 2024 के दौरान किए गए सर्वेक्षण के मुताबिक, ग्रामीण और शहरी भारत में प्रति व्यक्ति औसत मासिक खर्च 4,122 रुपये और 6,996 रुपये हो गया है। जबकि पहले यानी 2022 से 2023 के बीच यह खर्च क्रमशः 3,773 रुपये और 6,459 रुपये थाय यानी शहरी और ग्रामीण भारत की प्रति व्यक्ति खर्च दर में बड़ा अंतर था। मोटे तौर पर यह आंकड़ा बता रहा है कि हाल के दिनों में ग्रामीण इलाकों में आर्थिक समृद्धि पहले की तुलना में बढ़ी और उस लिहाज से खर्च भी बढ़ा है।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की 68 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है, जबकि 32 प्रतिशत आबादी शहरों में है। स्वाधीन भारत में विशेषकर उदारीकरण के बाद जिस तरह का विकास मॉडल हमने अपनाया, उसमें शहरी विकास पर सबसे ज्यादा फोकस रहा, ग्रामीण विकास या तो रस्मी रहा या फिर उस पर फोकस शहरों की तुलना में कम रहा। शहरों की ओर रोजगार और जीवन सुविधाएं केंद्रित होती चली गईं। शिक्षा के भी बेहतर अवसर गांवों की तुलना में शहरों की ओर बढ़ते गए। इस लिहाज से ग्रामीण क्षेत्रों से सबसे ज्यादा पलायन रोजगार और शिक्षा के लिए हुआ। फिर जिन परिवारों के पास सहूलियतें बढ़ीं, उन परिवारों ने अपनी हैसियत और बजट के लिहाज से मुफीद पाए जाने वाले शहरों की ओर रहने के लिए रूख किया। यही वजह है कि शहरी और ग्रामीण आबादी का जो अनुपात आबादी के समय था, वह आज बदल चुका है। आजादी के वक्त तकरीबन 80 फीसद से ज्यादा लोग गांवों में रहते थे, अनुमान है कि वह घटते—घटते अब साठ और पैंसठ फीसद के बीच आ गई है। रिकॉर्ड पर ग्रामीण आबादी का इतना बड़ा हिस्सा भले ही गांवों में बसता हो, लेकिन हकीकत यह है कि इसमें एक बड़ा हिस्सा शहरों में रोजी—रोटी और शिक्षा के लिए कभी शौकिया तो कभी मजबूरीवश रहने को मजबूर है। इसलिए रिकॉर्ड की तुलना में वास्तविक ग्रामीण आबादी अब और भी कम हो चुकी है।

घरेलू खर्च के इस नए आंकड़े को देखते वक्त हमें इस संदर्भ पर भी ध्यान देना होगा। बहरहाल हमें यह भी ध्यान देना होगा कि ग्रामीण इलाकों में खाद्यान्न विशेषकर गेहूं और चावल पर खर्च में निजी या पारिवारिक खर्च में कमी आई है। इसकी वजह यह है कि सरकार की ओर से तमाम तरह की योजनाएं और सामाजिक कल्याण कार्यक्रम चल रहे हैं। मुफ्त खाद्यान्न योजना समेत कई अन्य सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के जरिये मुफ्त में मिल रही चीजों की कीमतों को ध्यान में रखें तो घरेलू खर्च के ये आंकड़े ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए क्रमशः 4,247 रुपये और 7,078 रुपये हो जाते हैं। मौजूदा कीमतों के संदर्भ में देखें तो शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति खर्च पर औसत आठ और नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। साल 2011—12 में शहरी और खपत खर्च के बीच 84 प्रतिशत का अंतर था, जो 2022—23 में घटकर 71 प्रतिशत हो गया। जो अब 70 फीसद ही रह गया है। इन आंकड़ों से ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खुशहाली की तसवीर सामने आती है। दिलचस्प यह है कि इस आंकड़े में खाने—पीने के अलावा की चीजों पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में यह खर्च 60 और 53 प्रतिशत रहा। इसका मतलब साफ है कि अब ग्रामीण इलाकों में भी वाहन, कपड़े, बिस्तर, जूते, मनोरंजन एवं टिकाऊ आदि सामानों पर खर्च बढ़ा है। इससे साफ है कि उपभोक्तावाद ने ग्रामीण इलाकों पर भी जोरदार दस्तक दी है। वैसे ऑनलाइन स्टोर से गांवों में खरीददारी बढ़ी है और उनके डिलीवरी एजेंटों की बाइकें अब ग्रामीण इलाकों का भी खूब चक्कर लगा रही हैं।

पिछले साल मई में रिजर्व बैंक ने भी ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खपत खर्च को लेकर ऐसे ही आंकड़े जारी किए थे। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने उम्मीद जताई थी कि भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी रहेगी और देश की जीडीपी दर मे 7.3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हो सकती है। लेकिन रिजर्व बैंक ने इसी रिपोर्ट में ग्रामीण इलाकों में बढ़ते कर्ज को लेकर भी रिपोर्ट जारी की थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट में भी कर्ज को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इसके मुताबिक, कर्ज लेने में ग्रामीण क्षेत्रों के लोग कहीं ज्यादा आगे हैं। गांवों में प्रति एक लाख लोगों में 18,714 लोग ऐसे हैं, जिन्होंने कोई न कोई कर्ज ले रखा है, जबकि शहरों में यह आंकड़ा 17,442 प्रति लाख ही है। साफ है कि उपभोक्तावाद ग्रामीण संस्कृति को बदलने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। कर्ज कभी गांवों के लोगों के लिए सिरदर्द होते थे, इसलिए वहां बचत केंद्रित आर्थिकी पर जोर था। लेकिन अब इसमें गिरावट आई है। इसका मतलब साफ है कि गांवों में खर्च भले ही बढ़ रहा है, लेकिन यह भी सच है कि गांवों की तसवीर अभी कम से कम वैसी नहीं हो पाई है, जिस स्तर पर शहरी तसवीर है।

गांवों का समृद्ध होना जरूरी है। हाल के दिनों में जनसंख्या को बढ़ाने और न बढ़ाने को लेकर सियासी तौर पर अपने—अपने तर्क दिए जा रहे हैं। इन तर्कों के अपने आधार हो सकते हैं। लेकिन इससे शायद ही कोई इनकार करेगा कि भारत के शहरों की सांस अगर फूल रही है तो इसकी बड़ी वजह उनकी ओर बेतहाशा हो रहा पलायन और उस बड़ी जनसंख्या के लिए इस्तेमाल हो रहे उपभोक्ता वस्तुओं का बड़ा योगदान है। भारत में आबादी बढ़ाने की जगह आबादी के समन्वित और संतुलित वितरण की जरूरत ज्यादा है। ग्रामीण इलाकों में आबादी को रोकने की कोशिश होनी चाहिए। ग्रामीण आबादी को बुनियादी शिक्षा और रोजगार गांवों या उसके आसपास ही उपलब्ध कराने की नीतियों पर आगे बढ़ना चाहिए। अगर ऐसा होगा तो निश्चित तौर पर आबादी को संतुलित किया जा सकेगा। तब गांव आबादी विहीन नहीं होंगे और शहरों पर आबादी का असंतुलित बोझ नहीं बढ़ेगा। गांवों में हो रही खपत और खर्च को लेकर आ रहे आंकड़ों का पहला असर यही होना चाहिए कि गांवों में आबादी रूके। लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। ग्रामीण इलाके में बढ़ते खर्च से अव्वल तो गांवों में रोजगार के साधन बढ़ने चाहिए। लेकिन इस दिशा में ठोस बदलाव होते नजर नहीं आ रहे।

बेशक आज आजादी के बाद के दौर की तरह के बदहाल गांव नहीं हैं। बेशक शहरों जितना उसे बिजली नहीं मिलती, लेकिन पहले की तुलना में अब गांवों को भी बिजली ज्यादा मिल रही है। गांवों में भी उपभोक्ता वस्तुएं पहुंची हैं। इससे बेशक पारंपरिक संस्कृति चोट भले ही पहुंची हो। यह भी सच है कि ग्रामीण विकास और दूसरी कल्याण योजनाओं के जरिए गांवों में केंद्रीय और राज्य सरकारों की ओर से पैसा जा रहा है। लेकिन यह भी सच है कि उस पैसे का एक बड़ा हिस्सा जमीनी स्तर पर खर्च होने की बजाय नौकरशाही और राजनीतिक रिश्वत के रूप में शहरी इलाकों में ही रूक रहा है और वहीं निवेशित हो रहा है। इस लिहाज से देखें तो ग्रामीण इलाके में जैसी समृद्धि दिखनी चाहिए, कम से कम जमीनी स्तर पर वैसी समृद्धि नहीं है।

गांवों का जैसा रूप होना चाहिए, वैसा नहीं है। इसलिए सिर्फ घरेलू खर्च के जरिए ही गांवों की खुशहाली और समृद्धि की खोज करना उचित नहीं होगा। यह तभी होगा, जब गांवों की खुशहाली और समृद्धि मापने के लिए समन्वित और समावेशी मूल्यांकन प्रणाली अपनाएंगे, जिसमें यह भी देखा जाएगा कि कितनी ग्रामीण आबादी को मजबूरी में गांव पीछे छोड़ना पड़ा है और कितनी आबादी गांव लौट रही है। गांवों के लिए ऐसी समन्वित नीतियां तैयार करना और उन्हें लागू करना होगा, जिनके जरिए परंपरा भी बची रहे, संस्कृति की धारा भी अजस्र बनी रहे, समृद्धि भी आए और गांवों को शहरों का मोहताज नहीं होना पड़े, जैसा महात्मा गांधी चाहते थे।

दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में चीन का दबदबा

—कमलेश पाण्डेय—

दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में चीनी दबदबे को नियंत्रित करने के लिए एक आदर्श आचार संहिता लागू करने की मांग सही है, लेकिन वहां पर इसे लागू कौन करवाएगा, इस बात का उत्तर भारत समेत विभिन्न आसियान देशों के पास नहीं है। ये तो सिर्फ वकालत कर रहे हैं कि दक्षिण चीन सागर ऐसा होना चाहिए। जबकि चीन अपनी हठधर्मिता के चलते सैन्य कार्रवाई करने पर उतारू है। इसी दृष्टि से वह लगातार अपनी तैयारी पुख्ता करता जा रहा है। लेकिन उसे रोकने में संयुक्त राष्ट्र संघ भी यहां असहाय प्रतीत हो रहा है। देखा जाए तो चाहे चीन विरोधी अमेरिका हो या चीन समर्थक रूस या फिर इनके—इनके समर्थक विभिन्न विकसित और विकासशील देश, सबकी नीति इस मामले में अभी तक ढुलमुल ही रही है। इसलिए भारत की भूमिका इस मामले में भी अहम और निर्णायक बताई जा रही है। क्योंकि भारत और दक्षिण—पूर्व एशिया के विभिन्न देशों के बहुत पुराने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सम्बन्ध भी हैं। वहीं, वैश्विक दुनियादारी में चीन को संतुलित रखने के लिए भी भारत और आसियान देशों को एक—दूसरे की जरूरत है। इसलिए आशियान देशों के साथ भारत की निकटता जगजाहिर है।

समझा जाता है कि भारत ही अमेरिका और रूस दोनों देशों पर दबाव डालकर आसियान देशों के दक्षिण चीन सागर सम्बन्धी दूरगामी हितों की रक्षा कर सकता है। जानकारों की मानें तो चीन की विस्तारवादी नीति से न केवल भारत बल्कि आशियान देशों के विभिन्न हित प्रभावित हो रहे हैं। उधर, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका की चिंता भी किसी से छिपी हुई नहीं है। हालांकि, इन देशों में अमेरिका के बाद भारत ही एक ऐसा मुल्क है जो चीन की बढ़ती महत्वाकांक्षा को नियंत्रित कर सकता है। इसी नजरिए से क्वाड देशों में भी भारत की भागीदारी प्रमुख है।

इधर भारत—चीन सम्बन्धों में भी 'तू डाल—डाल, मैं पात—पात' वाली कहावत चरितार्थ होती है। यही वजह है कि गत 25—26 जनवरी 2025 को भारत ने चीन के खिलाफ एक और बड़ी चाल चलते हुए, दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में आचार संहिता लागू करने का आह्वान किया है। वहीं, इसके दूरगामी वैश्विक मायने को समझते हुए इंडोनेशिया जैसे प्रभावशाली देश ने भी भारत का साथ दिया है। उल्लेखनीय है कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत के 76वें गणतंत्र समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। इसी दौरान हुई विभिन्न बैठकों के क्रम में उपर्युक्त आशय की सहमति बनी है।

दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत के बीच भारत और इंडोनेशिया ने प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार इस क्षेत्र में श्शपूर्ण और प्रभावीश्श आचार संहिता लागू करने की वकालत की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो के बीच गत शनिवार को हुई व्यापक बातचीत में दक्षिण चीन सागर की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा हुई। इस बैठक में दोनों पक्षों ने भारत के हिंद महासागर क्षेत्र स्थित सूचना संलयन केंद्र (इन्फार्मेशन फ्यूजन सेंटर) में इंडोनेशिया से एक संपर्क अधिकारी तैनात करने पर सहमति व्यक्त की। बता दें कि भारतीय नौसेना ने समान विचारधारा वाले देशों के साथ सहयोगात्मक ढांचे के तहत जहाजों की आवाजाही के साथ—साथ क्षेत्र में अन्य महत्वपूर्ण विकास पर नजर रखने के लिए वर्ष 2018 में गुरुग्राम में इन्फार्मेशन फ्यूजन सेंटर की स्थापना की थी। चूंकि आसियान देश भी दक्षिण चीन सागर पर एक बाध्यकारी आचार संहिता पर जोर दे रहे हैं, क्योंकि चीन द्वारा इस क्षेत्र पर अपने व्यापक दावों को स्थापित करने के लगातार प्रयास जारी हैं।

वहीं, इस मुद्दे पर भारत की अगुवाई में चल रहे कीप एंड बैलेंस की नीति पर चीन का बौखलाना स्वाभाविक है।बीजिंग इस प्रस्तावित आचार संहिता का कड़ा विरोध करता रहा है। वह पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपनी संप्रभुता का दावा करता है, जो हाइड्रोकार्बन का एक बड़ा स्त्रोत है। जबकि, वियतनाम, फिलीपींस और ब्रूनेई सहित कई आसियान सदस्य देशों ने चीन के इस दावे पर आपत्ति जताई है। गौरतलब है कि एक ओर दक्षिण चीन सागर में जहां चीन अपनी सैन्य ताकत में निरंतर इजाफा करने में जुटा हुआ है, जिससे आसपास के छोटे देश भयभीत हैं। वहीं अब भारत ने चीन के खिलाफ अपनी चाल चलते हुए दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में आचार संहिता लागू करने का आह्वान किया है। सुकून की बात यह है कि भारत को इस मुद्दे पर इंडोनेशिया जैसे महत्वपूर्ण देश का भी साथ मिल गया है। जबकि दूसरी तरफ चीन इस क्षेत्र में आचार संहिता का खुलकर विरोध करता है। इसलिए दक्षिण चीन सागर से जुड़े हुए विभिन्न प्रभावित देशों के साथ—साथ भारत और अमेरिका की चिंताएं स्वाभाविक हैं।

बता दें कि अक्टूबर 2024 में भी जब पीएम मोदी ने ईस्ट एशिया सम्मेलन में हिस्सा लिया तो उन्होंने चीन पर इस बाबत निशाना साधा था। इससे एक दिन पहले आसियान—भारत सालाना सम्मेलन में भी उन्होंने चीन की तरफ इशारा करते हुए हिंद प्रशांत क्षेत्र और साउथ चाईना सी को लेकर जो सारी बातें कहीं, वह इस क्षेत्र में आक्रामक रवैया अपना रहे चीन को नागवार गुजर सकती है। तब पीएम मोदी ने आसियान—भारत सालाना सम्मेलन में दक्षिण पूर्वी एशियाई क्षेत्र के देशों के भौगोलिक संप्रभुता को समर्थन देकर चीन की तरफ इशारा किया था। वहीं, ईस्ट एशिया सम्मेलन में भी उन्होंने हिंद प्रशांत क्षेत्र और साउथ चाईना सी को लेकर दो टूक चिताएं जताईं। मोदी ने समूचे हिंद प्रशांत क्षेत्र को कानून सम्मत बनाते हुए यहां की समुद्री गतिविधियों को संयुक्त राष्ट्र के संबंधित कानून (अनक्लोस) से तय होने की मांग की और साउथ चाईना सी के संदर्भ में एक ठोस व प्रभावी आचार संहिता बनाने की भी बात कही। बता दें कि आसियान के सभी दस सदस्य देश भी इसकी मांग कर रहे हैं।

वहीं, एक दिन पहले चीन के प्रधानमंत्री ली शियांग के साथ बैठक में आसियान नेताओं ने इन मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया था। इसके साथ ही भारतीय प्रधानमंत्री ने दुनिया के दूसरे क्षेत्रों में चल रहे तनाव के संदर्भ में कहा,"विश्व के अलग—अलग क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों का सबसे नकारात्मक प्रभाव ग्लोबल साउथ के देशों पर हो रहा है। सभी चाहते हैं कि चाहे यूरेशिया हो या पश्चिम एशिया, जल्द से जल्द शांति और स्थिरता की बहाली हो।' तब पीएम मोदी ने यहां तक कहा था, 'मैं बुद्ध की धरती से आता हूं और मैंने बार—बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। समस्याओं का समाधान रणभूमि से नहीं, बल्कि सकारात्मक रणनीति से निकल सकता है। संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों का आदर करना आवश्यक है। वहीं, मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए, डायलॉग और कूटनीति को भी प्रमुखता देनी होगी। विश्वबंधु के दायित्व को निभाते हुए, भारत इस दिशा में हर संभव योगदान करता रहेगा।' तब मोदी ने आतंकवाद को भी वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती बताते हुए मानवता में विश्वास रखने वाली ताकतों को एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। बता दें कि इस सालाना आसियान सम्मेलन में शामिल सभी नेताओं में सबसे ज्यादा बार (नौ बार) पीएम मोदी ने ही हिस्सा लिया है। यह आसियान के मामलों में भारत की बढ़ती भूमिका को भी बताता है।

वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गत रविवार की शाम इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के सम्मान में डिनर आयोजित किया। इस दौरान इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने कुछ ऐसा कहा, जिसे सुनकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सभी गणमान्य लोग खिलखिलाकर हंस पड़े। दरअसल, इंडोनेशियाई राष्ट्रपति ने भारत और इंडोनेशिया के बीच प्राचीन संबंधों की बात कहते हुए कहा कि हमारी भाषा के कई अहम शब्द संस्कृत भाषा से आते हैं।

फ्री की राजनीति

—नीरज कुमार दुबे—

आम आदमी पार्टी की ही बात कर लें तो बिजली और पानी फ्री देने की राजनीति शुरू करने वाली इस पार्टी ने पैकेज के रूप में बिजली और पानी के साथ मौत भी फ्री ही रखी है क्योंकि इस पार्टी के राज में प्रदूषण की गंभीर स्थिति के चलते हर उम्र के लोगों को तमाम तरह की बीमारियां हो गयी हैं। इस समय दिल्ली में सेल चल रही है। वैसे अक्सर सेल में 50 प्रतिशत या उससे भी ज्यादा की छूट दी जाती है लेकिन दिल्ली में चुनावी मौसम में चल रही सेल में 100 प्रतिशत की छूट है। यानि सब कुछ मुफ्त। सब कुछ मुफ्त देने से सरकारी खजाने को कितना नुकसान होगा इसकी परवाह किसी को नहीं है क्योंकि हर पार्टी विधानसभा में अपनी सीटें किसी भी कीमत पर बढ़ाने का प्रयास कर रही है। सब कुछ मुफ्त देने से दिल्ली में महंगाई का आलम क्या होगा यह सोचे बिना राजनीतिक दल गारंटियों पर गारंटियों की घोषणा किये जा रहे हैं। सब कुछ मुफ्त देने से लोगों का सशक्तिकरण होने की बजाय उनके निठल्ले बनने की संभावनाएं ज्यादा हैं लेकिन फिर भी सब कुछ फ्री देने की होड़ में राजनीतिक पार्टियां एक दूसरे से आगे निकली जा रही हैं। दिल्ली में प्रति व्यक्ति आय देश में सबसे ज्यादा है उसके बावजूद यहां के लोगों को फ्री में सुविधाएं हासिल करने की आदत लगा दी गयी है। सरकारी खजाने को लूटो और लुटाओ की नीति के चलते दिल्ली का राजस्व नुकसान हुआ, भ्रष्टाचार के अवसर बढ़े, दिल्ली का बजट घाटा बढ़ा लेकिन किसी को कोई परवाह नहीं है इसीलिए यह पहली बार देखने को मिल रहा है कि दिल्ली की सत्ता पाने को आतुर पार्टियां एक दो नहीं बल्कि अपने आधा आधा दर्जन घोषणापत्र जारी कर रही हैं। पहले चुनावों में किसी राजनीतिक दल का घोषणापत्र उसकी नीतियों, कार्यक्रमों और समस्याओं से निजात दिलाने की रूपरेखा प्रस्तुत करता था लेकिन आज पार्टियों का घोषणापत्र उनकी सत्ता लोलुपता को प्रदर्शित कर रहा है। देखा जाये तो यह घोषणापत्र नहीं बल्कि लॉटरी पेश करने जैसा है।

दिल्ली में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी की ही बात कर लें तो बिजली और पानी फ्री देने की राजनीति शुरू करने वाली इस पार्टी ने पैकेज के रूप में बिजली और पानी के साथ मौत भी फ्री ही रखी है क्योंकि इस पार्टी के राज में प्रदूषण की गंभीर स्थिति के चलते हर उम्र के लोगों को तमाम तरह की बीमारियां हो गयी हैं। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में जन लोकपाल लाने का वादा किया था लेकिन भ्रष्टाचार के नये रिकॉर्ड बना दिये, आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में शिक्षा क्रांति लाने का ढोल पीटा जबकि असल में एक बोतल पर दूसरी बोतल फ्री देकर दारू क्रांति लाई गयी। आम आदमी पार्टी ने सादगी और शुचिता की बात की थी लेकिन उसके नेता शीश महल में रहे और सुरक्षा का बड़ा अमला तथा अन्य सुख सुविधाओं को भोगते रहे। अब "केजरीवाल की गारंटी" शीर्षक से पार्टी का जो घोषणापत्र जारी किया गया है वह भी खजाने को लुटाने का छलावा दिखा कर मतदाताओं के मत लूटने का प्रयास लगता है। हम आपको बता दें कि आम आदमी पार्टी के घोषणापत्र में 15 गारंटी का जिक्र है, जिसमें केजरीवाल ने अपनी पहली गारंटी के रूप में दिल्ली के निवासियों के लिए रोजगार सृजन के "ठोस" कदम का वादा किया है।

एनएच-28 पर हादसा, ट्रक से टकराकर एक ही बाइक पर सवार 4 दोस्तों की मौत

संवाददाता—देवरिया। सोमवार की देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही बाइक पर सवार चार दोस्तों की मौत हो गई। हादसे के शिकार तीन युवक कुशीनगर और एक देवरिया जिले का रहने वाला है। हादसा एनएच 28 पर महुआडीह थाना क्षेत्र में हेतिमपुर के समीप हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने चारो के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कुशीनगर के हाटा थाना क्षेत्र के शहबाजपुर के रहने वाले पिण्टू गौड़ (22) पुत्र रणजीत गौड़, हाटा क्षेत्र के मुड़ेरा उपाध्याय के रहने वाले नीतेश सिंह (23) पुत्र नंदलाल सिंह कसया थाना क्षेत्र के भैसाहं के रहने वाले अतुल सिंह (24) पुत्र विनोद और देवरिया जिले के महुआडीह थाना क्षेत्र के नारायनपुर का रहने वाला अंकित गौड़ (24) पुत्र नारायन गौड़ आपस में दोस्त थे।

सोमवार की रात चारों एक ही पल्सर बाइक से कसया एक दोस्त का बर्थ डे मनाने गए थे। वहां से रात करीब 12 बजे वापस हाटा लौट रहे थे। उसी दौरान एनएच 28 पर देवरिया–हेतिमपुर मोड़ के समीप स्थित पुल के पास कुहासे के चलते तेज रफ्तार बाइक एक ट्रक में जा घुसी। इस हादसे में चारों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना पर देर रात में ही महुआडीह के थानेदार अनिल कुमार और चौकी इंचार्ज गोपाल राजभर मौके पर पहुंचे और सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए देवरिया भेजवाया। सीओ संजय कुमार रेड्डी ने भी रात में ही घटनास्थल पर पहुंच कर जानकारी ली। सीओ ने पूछने पर बताया कि सड़क हादसे में चार युवकों की मौत हुई है। पुलिस शवों का पोस्टमार्टम कराने के साथ ही विधिक कार्रवाई कर रही थी।

बस्ती में साथी की हत्या के विरोध में उतरे वकील

संवाददाता—गोण्डा। बस्ती जिले में अधिवक्ता को अगवाकर उनकी नृशंस हत्या करने के विरोध में संयुक्त संघों के वकीलों ने मंगलवार को कलमबंद हड़ताल के साथ प्रदर्शन करके विरोध जताया। वकीलों ने मौनी अमावस्या तक कलमबंद हड़ताल करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किया है। इसके बाद कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करके एएसडीएम अशोक गुप्ता को अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। मंगलवार को बार एसोसिएशन अध्यक्ष राम बुझारथ द्विवेदी व सिविल बार एसोसिएशन अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार मिश्रा की संयुक्त अध्यक्षता में बार एसोसिएशन के समागार में वकीलों की बैठक हुई। बैठक के बाद बस्ती में अधिवक्ता का अपहरण कर उसकी नृशंस हत्या करने के विरोध में जुलूस निकाल पर अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया।

6 साल की बच्ची से दुष्कर्म

संवाददाता—महराजगंज। टाफी खरीदने गई छह साल की बच्ची को बहला–फुसलाकर एक व्यक्ति सरसो के खेत में स्थित झोपड़ी में ले जाकर दुष्कर्म किया। पुलिस केस दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुट गई है। ठूठीबारी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी छह साल की बच्ची मंगलवार को टाफी खरीदने गई थी। उसी दौरान एक व्यक्ति बहला–फुसलाकर पास में एक सरसो के खेत में बनी झोपड़ी में ले जाकर दुष्कर्म किया। बच्ची ने घर पहुंचकर परिजनों को आप बीती सुनाई तो परिजनों के पैरों तले से जमीन खिसक गई। ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी का आचरण खराब होने के कारण उसकी पत्नी उसे छोड़कर मायके में रहती है। ठूठीबारी कोतवाली प्रभारी योगेंद्र कुमार के अनुसार, पीड़िता के बाबा की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी कि तलाश की जा रही है।

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मनमोहा

संवाददाता—गोण्डा। कंपोजिट विद्यालय उल्लहा का वार्षिकोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख बभनजोत नीरज पटेल व विशिष्ट अतिथि बीईओ गीतांजलि त्रिपाठी ने दीप प्रज्ज्वलन और मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। वार्षिकोत्सव में छात्र–छात्राओं की प्रस्तुतियों पर लोगों ने जमकर तालियां बजाई। खंड शिक्षा अधिकारी गीतांजलि त्रिपाठी ने कहा कि विद्यालयों में ऐसे कार्यक्रम से छात्र छात्राओं का उत्साह बढ़ता है। उन्होंने कार्यक्रम को भव्य रूप देने पर आयोजिका किरण त्रिपाठी की सराहना की। बच्चों ने सबसे पहले सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा प्रस्तुत किये गए संविधान से संबंधित, देशभक्ति कार्यक्रम ने अतिथियों का मन मोह लिया। छात्र–छात्राओं ने कालबेलिया डांस, राम आएंगे तो अंगना जाऊंगी, लोकगीत, देशभक्ति गीत ,महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नाटक प्रस्तुत किया । इस मौके पर किरण त्रिपाठी ,जगन्नाथ त्रिपाठी, असगर अली, अनिल सिंह, शैलेन्द्र पाण्डेय, राजमंगल पांडे, पूरन चंद्र गुप्ता, अवधेश मिश्र, रघुभूषण तिवारी, शिक्षक दलजीत सिंह डॉ. मनोज कुमार सिंह , ब्रह्मदेव मिश्र, विमला देवी,ऋषि आदि रहे।

स्कूल में बच्चों के स्वास्थ्य का किया परीक्षण

संवाददाता—गोण्डा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय ज्वालापुरवा में डाक्टरों की टीम ने स्वास्थ्य परीक्षण किया। डॉ पूनम गुप्ता, डॉ तारिक खान, एएनएम संध्या सिंह और फार्मासिस्ट राजेश्वर ने विद्यालय के छात्र छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। टीम ने बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। साथ ही स्वच्छता के साथ विद्यालय आने के लिए जागरूक किया।

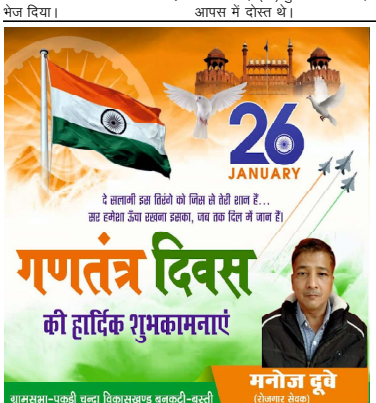

10 खिलाड़ियों और ब्लैक बेल्ट धारकों को किया गया सम्मानित

संवाददाता—महराजगंज। मंगलवार को बुद्धा समागार में राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के पदक विजेताओं और ब्लैक बेल्ट धारकों और नेशनल रेफरी बने खिलाड़ियों सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी अनुनय झा और एसडीएम प्रतिष्ठा त्रिपाठी ने मेडल और प्रमाण पत्र दिया। महराजगंज ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव अभिषेक कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि ब्लैक बेल्ट की उपाधि जिले के 10 खिलाड़ियों को मिली है। इनमें उत्सव शर्मा, दयानंद त्रिपाठी, नागेश्वर विश्वकर्मा, समीर अली, तन्मय प्रियदर्शी, अंशल प्रियदर्शी, आयुष प्रताप भारती, मुस्कान, नेहा यादव और नीलू गुप्ता समेत अन्य खिलाड़ियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में महराजगंज जिले के छह खिलाड़ियों ने पदक जीते। इनमें रजत पदक विजेता रघुवीर और कांस्य पदक विजेता सांची अग्रवाल, अंश वर्मा, मांशु, कविता और दयानंद त्रिपाठी को सम्मानित किया गया। जबकि दिल्ली में ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित नेशनल रेफरी सेमिनार और परीक्षा में जिले के 6 प्रतिभागियों ने सफलता हासिल की। इनमें प्रशिक्षक रिजवान अहमद फैजी, राहुल राय, उत्सव शर्मा, रियाज अली, आकाश चौधरी और साहेब सिंह सेठी को नेशनल रेफरी के प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस दौरान कोच संजय सैनी, सौजन्य स्नेह प्रियदर्शी, फराज अहमद मौजूद रहे।

प्रसूता की मौत मामले की जांच करने पहुंची टीम

संवाददाता—महराजगंज। शहर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर मंगलवार को अचानक स्वास्थ्य विभाग की टीम जांच करने आ पहुंची। इस दौरान अस्पताल कर्मियों में हड़कंप मच गया। जांच टीम अस्पताल के लेबर रूम, उपकरण, दवा और इमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण किया। इतना ही नहीं मौके पर मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों से टीम ने पूछताछ भी की। बताया जा रहा है कि बीते दिनों अस्पताल पर प्रसव के दौरान एक महिला की मौत हो गई थी। इस मामले में शिकायत की जांच करने टीम अस्पताल पर पहुंची थी। जांच टीम में शामिल अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि 24 दिसंबर 2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रसव के दौरान एक महिला की मौत हो गई थी। इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में शिकायत किया गया था।

शिकायत के आधार पर अस्पताल पहुंच जांच पड़ताल की गई है। जांच के दौरान प्रसव से संबंधित हर बिंदुओं की गहनता से निरीक्षण कर मौके पर मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों से पूछताछ कर रिपोर्ट तैयार की गई। मामले में आगे की प्रक्रिया शुरू करने के लिए जल्द ही जांच रिपोर्ट आयोग को भेजा जाएगा। इतना ही नहीं जांच के दौरान अस्पताल में मिलने वाली कमियों को बेहतर करने के लिए जिम्मेदारों को निर्देश भी दिया गया है।

स्कूल से घर जा रही कक्षा नौ की छात्रा से छेड़छाड़

संवाददाता—महराजगंज। श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र के परतावल पिपराइच मार्ग पर नवीन मंडी के पास एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। छात्रा स्कूल से अपने घर जा रही थी। इसी दौरान आरोपी ने उसे रोक लिया और छेड़छाड़ करने लगा। इसी दौरान छात्रा का भाई वहां पहुंच गया और आरोपी युवक की धुनाई कर दी। छात्रा के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

जानकारी के अनुसार, श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी एक इंटर कॉलेज में कक्षा नौ की छात्रा है। 26 जनवरी को वह विद्यालय में कार्यक्रम होने के बाद लगभग 11 बजे घर के लिए निकल गई। अभी वह नवीन मंडी के पास पहुंची थी कि उसी के गांव के रहने वाले एक मनचले युवक ने उसे रोक लिया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। रास्ते से जा रहे किशोरी के भाई ने देख लिया।

उसने मनचले की जमकर धुनाई कर दी। भाई के चंगुल से छूटने के बाद आरोपी युवक किशोरी के परिजनों को जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने किशोरी के पिता की तहरीर पर केस दर्ज करने की पुष्टि की।

'गैंग 302' किशोर के गले पर चाकू लगा बनाया वीडियो– सरेराह मार–पीट कर ले जाने का आरोप

संवाददाता—देवरिया। चार दिन पहले फिल्मी स्टाइल में पहुंचे कॉलेज के समीप बाइक सवार पच्चीस से अधिक छात्र एक किशोर को जबरदस्ती बाइक पर बैठा पिटाई करते हुए एक कमरे में ले गए। आरोप है कि गले पर चाकू लगा नंगा कर वीडियो बनाया। इसके बाद पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर छोड़ दिया।

घटना की जानकारी पीड़ित के परिजनों ने पुलिस को दी। हरकत में आई पुलिस कुछ आरोपितों को दबोच लिया। आरोप है कि बिना कार्रवाई के ही सभी को छोड़ दिया। उधर लोगों का कहना है कि आए दिन गुटबाजी कर छात्र आपसे सामने हो रहे हैं। अगर इन पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया गया तो बड़ी घटना हो सकती है। लार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोर चार दिन पहले नगर के स्वामी देवानंद पीजी कालेज के रास्ते घर

जा रहा था। आरोप है की इसी बीच पच्चीस से अधिक छात्र बाइक सवार होकर पहुंचे। अभी कुछ समझता तब तक जबरदस्ती बाइक पर बैठा सरेराह पिटाई करते हुए उसे ले जाने लगे। चीख पुकार की आवाज सुन बचाव को दौड़े लोगों को धमकाते हुए छात्र भाग निकले। इसकी सूचना परिजनों ने पुलिस को दी। सूचना पर सक्रिय हुई पुलिस आरोपितों की तलाश में जुट गई। इसी बीच छात्रों ने उसे छोड़ दिया। छात्रों का खौफ इस कदर किशोर पर था कि घटना से इनकार कर एक्सीडेंट में घायल होने की बात पुलिस से कहने लगा। कुछ देर बाद घर पहुंचा तो परिजनों से बताया कि आरोपितों ने गले पर चाकू रख उसे नंगा कर वीडियो बनाया है। इससे नाराज परिजन आरोपितों के खिलाफ तहरीर दी। मामले में पुलिस ने तीन को घर से दबोच लिया। वहीं अन्य आरोपी वारदात के बाद से फरार हो गए। उधर पूर्व में भी छात्र कालर टाइट करने को लेकर आमने सामने हो चुके हैं।

घटना के दिन एक छात्र को आरोपी छात्रों ने पीठ में चाकू घोंप दिया था। हालांकि देर रात परिजनों ने मामले में सुलह कर लिया। प्रभारी निरीक्षक उमेश वाजपेयी ने बताया कि मामला संज्ञान में है। छात्रों से पूछताछ की गई है। नंगा कर पिटाई करने का आरोप बेबुनियाद है। मामले की जांच चल रही है। तहरीर के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। किशोर को उठाकर पीटने वाले छात्रों का गोल काफी बड़ा है। सूत्रों की माने तो 302 के नाम से गैंग संचालित होता है। सोशल मीडिया पर भी 302 नाम से अकाउंट है। सूत्रों की माने तो किशोर को उठाकर पीटने से पहले छात्रों ने एक गाने पर रील बना पोस्ट डाली थी, जिसमें कुछ छात्र दिख रहे हैं। जिसमे एक छात्र हाथ में आगे चाकू लेकर छत की सीढ़ी से उतरता दिख रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

सीमावर्ती व्यापारिक गतिविधियों में आ रही दिक्कतों पर हुई चर्चा

संवाददाता—बलरामपुर। देवखुरी उद्योग व्यापार वाणिज्य संघ लमही की ओर से 17 दिवसीय कृषि, व्यापार व पर्यटन महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल तुलसीपुर के पदाधिकारियों ने सम्मिलित होकर सीमावर्ती कस्बों व नगरों के व्यापारिक गतिविधियों में आ रही दिक्कतों को प्रशासनिक स्तर पर दूर किए जाने को लेकर चर्चा की। महामन्त्री रूप चन्द्र गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेपाली उद्योग मंत्री लुम्बिनी नेपाल के प्रचंड विक्रम व विशिष्ट अतिथि के रूप में लमही के मेयर जोगराज चौधरी रहे। लमही के अध्यक्ष कमल जंग बहादुर ठकुरी ने अतिथियों को अंग वस्त्र भेंटकर स्वागत किया। उद्योग मंत्री ने कहा कि नेपाल में पर्यटन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

नेपाल स्थित लमही पर्यटन के नजरिए से बेहद महत्वपूर्ण है। भारत सरकार इस क्षेत्र के व्यापार की बढोत्तरी के लिए हर संभव उपाय कर रही है। कोयलाबास सीमा से व्यापार संबंधी अड़चनों को दूर किए जाने के लिए भारत सरकार के उच्चाधिकारियों के संपर्क में हैं। इस सीमा से शीघ्र ही व्यापार को आसान बनाया जाएगा, जिससे क्षेत्र के नागरिक आसानी के साथ पड़ोसी मुल्क से व्यापार कर सकेंगे। कुछ दिन पूर्व व्यापार सीमा को बढ़ाने को लेकर सीमा का अधिकारियों ने दौरा भी किया है। तुलसीपुर व्यापार मंडल अध्यक्ष व महामन्त्री ने कहा कि भारतीय नम्बर की गाड़ियों के साथ नेपाल में परमिट व्यवस्था के नाम पर परेशान न किया जाए। समारोह को मेयर जोगराज चौधरी, कृष्णानगर वाणिज्य संघ के अध्यक्ष जमशेर खां, वाणिज्य संघ दांग के रुव कुमार, नारायण भुसाल, तुलसीपुर के अध्यक्ष श्याम बिहारी अग्रहरि, महामन्त्री रूप चन्द्र गुप्ता ने भी सम्बोधित किया। नेपाली लोक कला व सांस्कृतिक कलाकारों ने नृत्य प्रस्तुत कर समारोह को भव्य बनाया।

हरिशंकर अध्यक्ष व राघवेन्द्र कोषाध्यक्ष निर्वाचित

संवाददाता—श्रावस्ती। इकौना तहसील के अधिवक्ता संघ भवन में मंगलवार को शपथ आयुक्त का चुनाव कराया गया। जिसमें हरिशंकर को अध्यक्ष व राघवेन्द्र को कोषाध्यक्ष बनाया गया। चुनाव अधिकारी राकेश कुमार पांडेय, राजेन्द्र प्रसाद मिश्रा, भानु प्रताप यादव व दिलीप कुमार शुक्ला के नेतृत्व में चुनाव हुआ। चुनाव अधिकारी राकेश कुमार पांडेय ने बताया कि शपथ आयुक्त के तीन पद थे। जिसमें ऑडिटर के पद पर लवलेश यादव को निर्विरोध निर्वाचित किया गया।

मिल्कीपुर उपचुनावः डिप्टी सीएम केशव बोले- आस्था का अनादर करने वाले इतिहास के पन्ने में दर्ज हो जाएंगे

संवाददाता–अयोध्या। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अयोध्या, काशी, विंध्याचल, मथुरा और प्रयागराज में चारों तरफ आस्था का जनसागर उमड़ा हुआ है। यह दृश्य देखकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को बर्दाश्त नहीं हो रहा है। ऐसे में आस्था को चोट पहुंचाने वाले बयान दिए जा रहे हैं। इन्हें नहीं पता कि आस्था का अनादर करेंगे तो इतिहास के पन्ने में दर्ज हो जाएंगे।

उपमुख्यमंत्री मंगलवार को मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित करने आए थे। इस दौरान संवाददाताओं से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को प्रयागराज महाकुंभ में संगम नहाने के बाद भी सद्बुद्धि नहीं आई है, विकृति छाई हुई है। महाकुंभ आस्था का महापर्व है। इसको लेकर वे लगातार नकारात्मक टिप्पणी कर रहे हैं। यह उनका दृष्टि और मानसिक दोष है, उनको अपना इलाज कराना चाहिए।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा के पीडीए का मतलब परिवार डेवलपमेंट एजेंसी है। मिल्कीपुर में ही देख लीजिए, यहां पर भी समाजवादी पार्टी ने सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे को टिकट देकर यही काम किया है। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा को जो सफलता मिली वह उसे लोकतंत्र की जीत मानने की बजाय राम भक्तों, राष्ट्रभक्तों, गरीबों, किसानों, पिछड़ों और दलितों की हार मान लिए। अब उसी का बदला विधानसभा के उपचुनाव में नौ सीटों पर अभी जनता ने ले लिया है। अब मिल्कीपुर की बारी है। यहां पर भी भाजपा भारी मतों के अंतर से जीत दर्ज करेगी। मैने तो आज ही भाजपा प्रत्याशी को जनता से पूछ कर विजय की माला पहना दी है।

मौनी अमावस्या पर बांसी में 72वें माघ मेला का शुभारंभ

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मौनी अमावस्या के पर्व पर प्रतिवर्ष बांसी राप्ती नदी के किनारे माघ मेला मैदान में लगने वाले और एक माह तक चलने वाले माघ मेला एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन मंगलवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूर्व मंत्री व बांसी के विधायक जय प्रताप सिंह ने किया। माघ मेला 10 मार्च तक चलेगा। प्रयागराज (इलाहाबाद) माघ मेला से प्रभावित होकर स्वर्गीय पंडित राजेंद्र नाथ त्रिपाठी मुख्तार ने बांसी में माघ मौनी अमावस्या के पर्व पर वर्ष 1954 में इस माघ मेले की स्थापना की थी। तब से लगातार यह माघ मेला बांसी में चल रहा है और इस वर्ष इसकी 72वीं वर्षगांठ है। माघ मेला मुख्य प्रवेश द्वार पर विधायक जय प्रताप सिंह ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन करने के बाद मेले का शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने माघ मेला संस्थापक पंडित राजेंद्र नाथ त्रिपाठी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और 72वें माघ मेला एवं प्रदर्शनी का ध्वजारोहण किया। इस दौरान डीएम डॉ.राजा गणपति आर, एसडीएम शशांक शेखर राय, क्षेत्राधिकारी बांसी मयंक द्विवेदी, नगर पालिका अध्यक्ष चमनआरा, उनके प्रतिनिधि मोहम्मद इदरीश पटवारी आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आठ मार्च को

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिला विधिक प्राधिकरण की ओर से आठ मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर मंगलवार को प्री–ट्रायल बैठक हुई। इसमें मोटर दुर्घटना से संबंधित क्लेम पेटिशन मामलों को अधिक से अधिक संख्या में निस्तारित करने पर जोर दिया गया। यह जानकारी अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश व प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव मनोज कुमार तिवारी ने दी।

महाकुंभ जा रही बस की गोरखपुर में डीसीएम से टक्कर, 13 घायल

संवाददाता–गोरखपुर। बिहार के पटना से श्रद्धालुओं को लेकर प्रयागराज जा रही बस का गोरखपुर के सहजनवा में रात लगभग 2रू30 बजे एक्सीडेंट हो गया। दुर्घटना में 13 लोग घायल हो गए। सीएचसी पर उनका प्राथमिक उपचार किया गया। वहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया था लेकिन उनमें से कोई यहां नहीं आया। बस ने सहजनवा कट के पास डीसीएम में पीछे से टक्कर मारी थी। दुर्घटना में डीसीएम पलट गया। डीसीएम के चालक यूसुफ ने बताया कि वह गाजीपुर जिले के मोहम्मदाबाद का निवासी है। मिर्जापुर से मटर लेकर सिद्धार्थनगर के नौगढ़ जा रहा था। सहजनवा से आगे सरैया के पास बने कट से मुड़कर उसे सहजनवा कस्बे से होकर निकलना था। कट से जैसे ही उसने गाड़ी मोड़ी, पीछे से तेज रफ्तार आयी लग्जरी बस ने टक्कर मार दी। जिससे डीसीएम पलट गई। टक्कर काफी जोरदार थी। आवाज सुनकर आसपास के लोग वहां एकत्रित हो गए। कुछ लोगों ने पुलिस को सूचना दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। उसमें बैठे लोगों में चीख–पुकार मची थी। जल्दी बाहर निकलने के चक्कर में एक–दूसरे पर गिर रहे थे। आसपास के लोगों ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। घायलों को सीएचसी ले जाया गया। 9 लोगों को जिला अस्पताल भेजा गया लेकिन उनमें से कोई अस्पताल नहीं आया। कुछ लोग वहीं से घर चले गए जबकि अन्य लोग दूसरे साधन से महाकुंभ के लिए रवाना हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बस के चालक के पीछे की सीट पर बैठी 31 वर्षीय रिंकी का पैर सीट में फंस गया था। जिसे काफी मशक्कत के बाद निकाला जा सका। लोगों को बस से निकालने व अस्पताल पहुंचाने में लगभग दो घंटे तक अफरा–तफरी का माहौल रहा। एक लेन पर जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस ने गाड़ियों को निकलवाया।

मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान के लिए रोडवेज व रेलवे स्टेशन पर भीड़ जमा रही। रोडवेज पर बसों मे चढ़ने की होड़ मची रही। इसी अफा–तफरी के माहौल में गोरखपुर सहजनवा थाना क्षेत्र के पाली निवासी हीरा गौड़ व उनकी पत्नी बुधना देवी घायल हो गए। वे एक बस में चढ़ने का प्रयास कर रहे थे। भीड़ काफी अधिक थी। लोग खड़कियों से भी घुसने का प्रयास कर रहे थे। इसी बीच बस चालक ने गाड़ी आगे बढ़ा दी और पति–पत्नी गिर गए। दोनों के पैर पहिए से दब गए। हीरा गौड़ के पैर में फैक्चर हो गया जबकि बुधना देवी का पैर बुरी तरह घायल हो गया। उनका काफी खून निकला है। दोनों जिला अस्पताल के इमरजेंसी स्थित आर्थो वार्ड में भर्ती हैं।

भीड़ के चलते राम मंदिर ट्रस्ट ने की अपील,अयोध्या आने का है मन तो 15 से 20 दिन बाद आये

संवाददाता–अयोध्या। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालु काशी और अयोध्या की ओर रुख कर रहे हैं। जिसके चलते अयोध्या में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। इतनी बड़ी तादाद में श्रद्धालुओं के पहुंचने से अयोध्या की हर गली पट गई है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को काबू करने में पुलिस प्रशासन के भी पसीने छूट गए हैं। अयोध्या में दिन पर दिन श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही है। बुधवार को मौनी अमावस्या के चलते श्रद्धालुओं की संख्या में और इजाफा हो सकता है। अयोध्या में बढ़ रही भीड़ को देखते हुए राम मंदिर ट्रस्ट ने सोशल मीडिया पर श्रद्धालुओं से कुछ दिन बाद अयोध्या आने की अपील की है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि प्रयागराज में दिनांक 29 जनवरी को कुम्भ में मौनी अमावस्या का मुख्य स्नान है। अनुमान है कि लगभग 10 करोड श्रद्धालु दिनांक 29 जनवरी को प्रयागराज में स्नान करेंगे। बहुत बड़ी संख्या में प्रयागराज से भक्तजन अयोध्या पहुंच रहे हैं। ट्रेन और सड़क दोनों प्रकार से श्रद्धालु प्रयागराज से अयोध्या आ रहे हैं। पिछले तीन दिनों से अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि हुई है। अयोध्या धाम की जनसंख्या एवं आकार को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि इतनी अधिक संख्या में भक्तों को एक दिन में रामलला के दर्शन कराना बहुत कठिन है।

ऐसे में श्रद्धालुओं को परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है। परिणाम स्वरूप किसी भी प्रकार की अनहोनी को रोकने के लिए आवश्यक हो गया है कि व्यवस्थाओं में उपयुक्त परिवर्तन किए जाएं। भक्तों को अधिक पैदल भी चलना पड़ रहा है। चंपत राय ने श्रद्धालुओं से निवेदन किया है कि पास–पड़ोस के भक्तजन 15–20 दिन के बाद दर्शन करने के लिए अयोध्या पधारें ताकि बहुत दूर से आने वाले भक्त अभी सुविधा से प्रभु के दर्शन कर सकें। इससे सभी को सुविधा होगी। वसंत पंचमी के बाद फरवरी मास में काफी राहत रहेगी तथा मौसम भी अच्छा हो जाएगा। आसपास के भक्त यदि तब का कार्यक्रम बनाएं तो श्रेष्ठ रहेगा। इस निवेदन पर अवश्य विचार करें।

महाकुंभ में स्नान करने से पूर्व अयोध्या में रामलला के दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं के वाहनों को लखनऊ अयोध्या हाईवे स्थित सफदरगंज चौराहे पर बैरियर लगा कर रोककर डायवर्ट किया जा रहा है। भारी संख्या में अयोध्या की ओर जा रहे वाहनों को डायवर्ट करने की व्यवस्था का मंगलवार को डीएम व एसपी ने सफदरगंज चौराहे पहुंच कर जायजा लिया। साथ ही निर्देश दिए कि अयोध्या की ओर जाने वाले वाहनों को बदोसराय मार्ग से होते हुए चौका घाट जैदपुर मार्ग से हैदरगढ़ सुल्तानपुर की ओर डायवर्ट करे। हाईवे पर यातायात सुचारू रूप से संचालित होता रहे। स्थानीय लोगों को पहचान पत्र देखकर जाने दिया जाए।

अयोध्या में भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज हाईवे पर बीकापुर में क्राउड मैनेजमेंट बनाया गया है। इसके अलावा आजमगढ़ रोड पर पूरा बाजार के पास होल्डिंग एरिया भी बनाया गया है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के चलते पुलिस प्रशासन होल्डिंग एरिया में श्रद्धालुओं के वाहनों को रोका रहा है। क्राउड मैनेजमेंट को देखते हुए धीरे–धीरे श्रद्धालु के वाहन को अयोध्या की तरफ छोड़ा जा रहा है।

सात नटबोल्ट और तीन रिंच निगल गया युवक, ऑपरेशन से बची जान

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। 15 दिन से दर्द से कराह रहे एक युवक की सीटी स्कैन रिपोर्ट देखकर डॉक्टर उस समय हैरत में पड़ गए जब पता चला कि उसके पेट में सात नटबोल्ट और तीन रिंच हैं। सोमवार को ऑपरेशन करके उसके पेट से नटबोल्ट और रिंच निकाले गए। फिलहाल वह खतरे से बाहर और डॉक्टरों की निगरानी में है। डॉक्टरों ने बताया कि उसका इलाज मनोचिकित्सक से भी कराना होगा। मूलरूप से पश्चिम बंगाल का निवासी रोशन चौरसिया (30) करीब पांच वर्ष से अकबरपुर के इल्फातगंज में किराये के मकान में रहता है। वह होटलों में काम करता है। शुक्रवार को उसे पेट में असहनीय पीड़ा हुई। वह उपचार कराने जिला अस्पताल पहुंचा। सिविल सर्जन डॉ. बिपिन वर्मा ने उसके पेट का एक्सरे कराया। पेट में लोहे की वस्तु होने की आशंका होने पर उन्होंने मरीज को भर्ती कर लिया और सीटी स्कैन जांच कराई। शनिवार को जांच रिपोर्ट डॉक्टर को मिली जिसमें इस बात की पुष्टि हो गई।

सोमवार को उन्होंने एनेस्थेटिस्ट डॉ. श्यामधर मिश्र, ओटी इंचार्ज माला, ओटी टेक्नीशियन परविंद की मदद से रोशन का ऑपरेशन किया और पेट से सात नटबोल्ट और तीन रिंच निकालीं। ऑपरेशन के बाद उसे वार्ड में भर्ती करा दिया गया। चिकित्सक डॉ. बिपिन ने बताया कि ऑपरेशन के बाद रोशन की स्थिति सामान्य है।

पश्चिम बंगाल से आए रोशन के पिता रंजीत ने बताया कि कुछ दिन पहले ही बेटे ने उन्हें फोन किया था। बताया था कि पेट में बहुत दर्द हो रहा है, इलाज कराने के लिए पैसे चाहिए। उसकी बीमारी सुनकर बृहस्पतिवार को वह अकबरपुर आए थे। शुक्रवार को वही बेटे को लेकर अस्पताल पहुंचे जिसके बाद उसकी जांच और फिर ऑपरेशन किया गया। उनके मुताबिक, किसी के कहने पर उनके बेटे ने लोहे की वस्तुएं खा ली होंगी।

घने कोहरे की चादर में लिपटा रहा जिला, ठंड से लोग बेहाल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। घने कोहरे की चादर में जिला लिपटा रहा। दो बजे के बाद कोहरे की चादर को चीर कर सूर्यदेव के दर्शन तो हुए लेकिन गर्माहट नदारद रही। ठंड से जंग लड़ने के लिए अलाव सहारा बना रहा। शहर से लेकर गांवों तक सुबह से शाम तक अलाव जलता ही रहा। पूरे दिन लोग गर्म कपड़ों में जकड़े रहे। सड़कों पर आवाजाही कम रही। जिला गलन भरी ठंड की चपेट में है। सोमवार को भी दोपहर तक कोहरा पड़ा था लेकिन मंगलवार को काफी घना रहा। दोपहर दो बजे कोहरे की चादर को चीर कर सूरज निकला लेकिन उसकी हल्की सी रोशन किसी को भी गर्माहट का अहसास नहीं करा सकी। कोहरा घना होने की वजह से वाहनों को हेड लाइट जला कर चलाना पड़ रहा था फिर भी विजीबिलिटी इतनी कम थी कि चाह कर भी फर्राटा नहीं भर पा रहे थे। सड़क पर वाहन भी दोपहर तक कम दिखाई दिए। गलन को भेदने में गर्म कपड़े नाकाम रहे। हालत यह थी कि पूरे दिन लोग गर्म कपड़ों में जकड़े रहे। गलन इतनी अधिक है कि अलाव ही ठंड से बचाने का सहारा बना हुआ है। शहर के मोहल्लों से लेकर घरों तक में अलाव पूरे दिन जल रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों की भी यही स्थिति है। लोग अलाव के ईद गिर्द जमे रह रहे हैं। गलन से जलन जीवन प्रभावित है। शाम ढलने के साथ गलन का अहसास और बढ़ गया इस दौरान हल्की हवा और भी ठंड में इजाफा कर रही थी।

उमड़ी भारी भीड़, दो दिनों में छह लाख से अधिक भक्तों ने किए रामलला के दर्शन

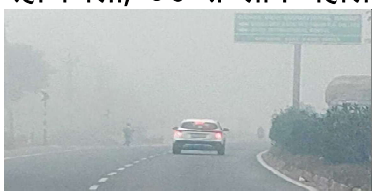

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में मंगलवार को भी श्रद्धालुओं का रेला उमड़ा है। मंगलवार होने के चलते हनुमानगढ़ी में दो किलोमीटर लंबी लाइन लगी हुई है। कुछ इसी तरह का दृश्य राम जन्मभूमि में है। रामलला के दर्शन करने के लिए भक्तों की भारी भीड उमड पडी है। वहीं सोमवार को रामलला के दरबार में 3.55 लाख भक्तों ने हाजिरी लगाई। दो दिनों के भीतर रामलला के दरबार में छह लाख से अधिक भक्त पहुंच चुके हैं। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या का मुख्य महापर्व है। अमावस्या आज देर शाम से ही लग रही है पर उदया तिथि में यह स्नान 29 को भोर से पूरे दिन चलेगा। इसके लिए भक्तों का रेला है। इस बीच आज सुबह से ही 10 लाख से ज्यादा भक्त सरयू स्नान कर नागेश्वरनाथ महादेव का अभिषेक करने के बाद हनुमानगढ़ी दर्शन के लिए पहुंचे रहे हैं।

रामलला और हनुमानगढ़ी में दर्शन के लिए आज भी भक्तों की एक से दो किलोमीटर लंबी लाइन लगी है। रामजन्मभूमि पथ पर भीड़ नियंत्रण के लिए दर्शन के बाद भक्तों को गेट नंबर तीन से निकाला जा रहा है। यह राम जन्मभूमि पथ से 100 मीटर दूर होने के कारण भीड़ नियंत्रण में सुविधा हो रही है। सुरक्षा के लिए आला अधिकारियों ने मोर्चा संभाल रखा है। अर्धसैनिक बलों के जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। मजिस्ट्रेट की भी जगह–जगह तैनाती की गई है। आईजी प्रवीण कुमार और राम जन्मभूमि के एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे स्वयं व्यवस्था बनाने में जुटे हुए हैं। राम मंदिर ट्रस्ट भी निगरानी रख रहा है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 337/2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

रामलगन
बनाम
श्रीमती कान्ती देवी आदि

1. श्रीमती कान्ती देवी पत्नी रामशंकर उर्फ मोतीलाल 2. रामशंकर उर्फ मोतीलाल साकिनान मौजा रूधौली कला तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती 3. बालचंद्र पुत्र छोटेलाल साकिन मौजा रूधौली कला तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 04–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 04 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com

कार्यालय नगर पंचायत बनकटी, जनपद- बस्ती

स्वच्छ बनकटी | गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं | सुंदर बनकटी

स्वच्छ सर्वेक्षण

आपका शहर स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में प्रतिभाग कर रहा है। कृपया शहर की स्वच्छता बनाये रखने में सहयोग करें। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 हेतु आपसे निम्न अपेक्षा की जाती है।

- नगर को स्वच्छ रखें नगर आपका है, और नगर पंचायत बनकटी को स्वच्छ सर्वेक्षण में नम्बर–01 बनायें।
- नगर पंचायत बनकटी द्वारा भवन निर्माण उपविधि लागू कर दी गयी है, भवन का निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व नगर पंचायत से मानचित्र अवश्य पास करायें।
- आपके मकान/ प्रतिष्ठान के आस–पास 10 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार की गंदगी सार्वजनिक स्थल पर पायी जाती है तो उस क्षेत्र में स्थित सम्बन्धित समीपस्थ दुकानदार/ वेंडर के विरूद्ध सुसंगत नियमों के अंतर्गत दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।
- नगर को स्वच्छ रखने में डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन में सहयोग दें। कृपया घर से निकलने वाले कूड़े को अलग–अलग करके सफाई कर्मी को ही दें। कूडे को किसी भी दशा में नाले/ नाली सड़क अथवा खुले स्थान में ना फेकें और ना ही जलाएं। ऐसा करना दण्डनीय अपराध है।
- खुले में शौच ना करें। हमेशा व्यक्तिगत/ सामुदायिक शौचालय का प्रयोग करें।
- पालीथीन का प्रयोग उ.प्र. शासन द्वारा पूर्णतया प्रतिबन्धित है, कृपया इसका प्रयोग न करें और ना ही दुकानों से बिक्री करें। निरीक्षण में पाये जाने पर जुर्माना एवं सजा का प्राविधान है।
- आपकी सुविधा हेतु मार्ग/ सार्वजनिक स्थानों पर लगे मार्ग प्रकाश बिन्दुओ एवं कूड़ेदान को क्षतिग्रस्त न करें।
- जन्म–मृत्यु का पंजीयन समय से करावें।
- सडक, सडक की पटरी, बंजर भूमि, सरकारी भूमि पर अतिक्रमण न करें।
- किसी भी शिकायत/ सुझाव तथा सुचनाओं के लिए कार्यालय नगर पंचायत से सम्पर्क करें।

निर्वाचित मा0 सदस्य गण

1. श्री बाबुराम चौधरी 2. श्री नवीन कुमार पाल 3. श्रीमती विद्या देवी 4. श्रीमती निर्मला 5. श्रीमती रिंकू 6. श्रीमती प्रमिला 7. श्री ऋषिराज मुनि 8. श्री लवकुश 9. श्रीमती शबनम बानो 10. श्री दिनेश कुमार 11. श्रीमती सावित्री 12. श्री कौशल कुमार 13. श्रीमती मालती देवी 14. मु हाफिज 15. श्री श्याम सुन्दर

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बनकटी, बस्ती

अध्यक्ष
नगर पंचायत बनकटी, बस्ती

सं0: 287 (8)/ न.पं.ब.बस्ती/ 2024–25/ दिनांक: 25 जनवरी, 2025